NEWS LETTER

MARLBORO HINDI SCHOOL

मार्लबोरो हिंदी स्कूल का 2016-17 सत्र सितम्बर 10 को शुरू हुआ। इस सत्र में छात्रों के लिए दो नयी कक्षाएँ जोड़ी गयीं - Beginners III जिसकी अध्यापिका हैं माया गुप्ता और Advanced Special Projects जिसके अध्यापक श्री बिशन अर्गवाल एवं श्रीमती मीनाक्षी सिंह हैं। गर्व की बात है की पिछले सत्र के मुक़ाबले इस सत्र में छात्र / छात्राओं की संख्या में काफ़ी बड़ोतरी हुई।

2016-17 सत्र में दो नयी अधापिकाओं की भी नियुक्ति हुई - श्रीमती करुणा गुप्ता कक्षा Beginners-3B और श्रीमती संगीता त्रिवेदी कक्षा Begineers-2 । इस सत्र में Parent Teacher Organization (MHSPTO) की भी स्थपाना हुई। PTO का मुख्य लक्ष्य स्कूल के Security एवं Event Volunteering होगा। श्रीमती अनु चंदवानी को PTO का अध्यक्ष नियुक्त गया एवं दीपिका खनवानी जी ने उपाध्यक्ष का भार सम्भाला।

मार्लबोरो Board of Education की requirement के मुताबिक़ MHS की Security Team की भी स्थापना हुई जिसके तहत चार MHS Parents ने MHS Security की ज़िम्मदारी सम्भाली है।

इस सत्र में पहली बार MHS Parents के लिए हर शनिवार को Yoga Class प्रारंभ की गयी। Yoga Sanskriti की इस क्लास को MHSPTO ने आयोजित किया है। अब MHS Parents स्कूल के समय में Yoga का अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

A selected Doha for our Students:

बोली एक अनमोल है, जो कोई बोलै जानि,
हिये तराजू तौलि के, तब मुख बाहर आनि।

MHS TEACHER TRAINING WORKSHOP - 2016

A Full Day Teachers Training workshop was organized by ESHA, Marlboro Hindi School and Montgomery Hindi School on November 6.

Distinguished Professors including Dr. Gabriela Nik-Ilieva, Professor of Hindi and Director of the STARTALK Teacher Training program at NYU, Dr. Tasha Darbes, Assistant Professor, TESOL and Bilingual Education, Pace University, NY and Mrs Rajni Bhargava, Coordinator - STARTALK Teacher Training program at NYU were invited. Marlboro Hindi School teachers attended the whole day training with almost full attendance. They learned the best teaching practices for Hindi teaching for Heritage and non-heritage students.

MHS DIWALI FUNCTION-2016

दिवाली Function एक झलक

November १२ को Marlboro Hindi School ने दिवाली समारोह का आयोजन किया । इस समारोह में छात्रों और अधापक/अधापिकायों ने तरह तरह के Dances और skits से सब लोगों का मन मोह लिया ।

कार्यक्रम की समाप्ति पर सबने मिलकर भारतीय व्यंजन और मिठाइयों का आनंद उठाया और दिवाली का त्योहार मनाया।

इस समारोह की सफलता का श्रेय Marlboro Hindi School के Teachers और Parent Volunteers को मिलना चाहिए जिन्होंने इतने छोटे वक़्त में इतना अच्छा कार्यक्रम तैयार किया।

INTERVIEW - TEACHER OF THE YEAR – 2015-16

Q: क्रपाया अपने बारे में कुछ बतायें ?

मेरा नाम अंजु पुरी है । मैं marlboro में लगभग २३ साल से रह रही हूँ । मैं marlboro हिंदी स्कूल के साथ काफ़ी साल से जुड़ी हुई हूँ लेकिन as a टीचर यह मेरा दूसरा साल है ।

Q: क्या आपको लगता है की हिंदी सीखना बच्चों के लिए helpful है ।

A: बिलकुल, हिंदी सीखने के बहुत फ़ायदे हैं। बच्चे स्कूल आकर यह देखते हैं की उनके जैसे और भी कितने बच्चे यहाँ हिंदी सीख रहे हैं। जब हम उन्हें अपनी भाषा से जोड़कर रखते हैं तो हम उन्हें अनपे culture के साथ भी जोड़ते हैं जिससे वो अपने grandparents साथ भी जुड़े रहते हैं।

Q: आपको हिंदी स्कूल में as a टीचर volunteering कैसा लगता है ?

A: Volunteering तो वैसे ही बहुत rewarding activity है लेकिन हिंदी

पड़ाने का अनुभव बहुत अलग है। इन छोटे छोटे बच्चों की curiosity और छोटी बड़ी कामयाबी सब मिलकर एक बहुत ही अच्छा एहसास दिलाती है।

Q: हिंदी में बच्चों की रुचि बड़ाने के लिए आपके क्या suggestions हैं ?

A: अगर हम अपनी स्कूल की website पर हिंदी का Interactive material रख सकें तो Teachers बच्चों को Independently काम कराने के लिए guide कर सकती हैं जैसे की Short Stories with morals ।

Q: आप अपनी क्लास में Students की हिंदी में रुचि कैसे बनाए रखती हैं ?

में कोशिश करती हूँ की lesson वैसे ही पढ़ाया जाए जिसमें उन्हें मज़ा आए । हम lesson लेकर उसे कई तरीक़ों से सिखाते हैं क्योंकि हर बच्चे का सीखने का ढंग अलग हो सकता है। Class Participation, teamwork और बच्चों के आपस में Interaction को मैं बहुत Important समझती हूँ । बच्चे क्लास में एकसाथ काम करते हैं तो सब एक दूसरे से बहुत कुछ सीख जाते हैं। हम अकसर क्लास में Competitive Games और Quizzes खेलकर Topic review करते हैं।बच्चों को story time भी बहुत पसंद आता है जिसमें मैं हिंदी में पड़ती हूँ और वो meaning बताते हैं। I am amazed how much they can comprehend.

बूझो तो जाने - पहेलियाँ ही पहेलियाँ (Hindi Riddles)

1 सारे जगत की मैं करूँ सैर धरती पे नहीं रखता पैर रात अंधेरी मेरे बग़ैर बताओ क्या है मेरा नाम ?	**2** हरी थी मन भरी थी लाख मोती जड़ी थी राजाजी के बाग़ में दुशाला ओड़े खड़ी थी बोलो क्या हूँ मैं ?	**3** प्रथम कटे तो दर हो जाऊँ अंत कटे तो बन हो जाऊँ केला मिले तो खाता जाऊँ डाली डाली पे लटक जाऊँ बोलो क्या है मेरा नाम ?

4 आप बस में 10 passengers के साथ जा रहे हैं। पहले stop पर 2 passengers उतरे और 4 चड़े। दूसरे stop पर 5 passengers उतरे और 3 चड़े तीसरे stop पर 3 passengers उतरे और 3 चड़े। अब बस में कितने passengers हैं ?	**5** हरे रंग की टोपी मेरी हरे रंग का है दुशाला जब पक जाती हूँ मैं तो हो जाता मेरा लाल दुशाला पेट में मेरे मोती की माला। नाम बताओ मेरा लाला ?

☺ Answers Somewhere in this news letter ☺

कविता

by Shivalika Gupta

मै हूँ सुन्दर, मै हूँ शांतिदायक
मैं हूँ कान के उपहार

कान में सुखदायक, तबला, बांसुरी, और सितार
यह है सब का प्यार

नाचे, गाये, धूम मचाये, सारी दुनिया ख़ुशी में गाये
किसी को रोना कभी ना आये

ये है गीत
मुझे कहते हैं संगीत

STUDENTS की क़लम से

STORY TIME

इस बार हमने अपने स्कूल के students से कहा की MHS Newsletter के लिए कोई अच्छी कहानी या कविता लिखें । हमें ख़ुशी है की बहुत सारे students ने हमें कहानियाँ भेजी। उनमें से दो कहानियों को हमने इस newsletter में publish किया है ।

Rini Bansod

चिड़ियाघर का चीता

by Rini Bansod

“Honk Honk !! आ रही हूँ मैं भी”

बस के अंदर श्रेया और स्नेहा हँसने लगीं जैसे ही मैं बस में चड़ने लगी। मैं दोनो के बीच में जाकर बैठ गयी। थोड़ी देर में हम चिड़ियाघर पहुँच गए। हमने देखा की मोर साँप बंदर और मेरा सबसे पसंद जानवर चीता वहाँ था। ख़ुशी ख़ुशी में दिन बीता। हम सब बस में वापस आ गए। Teacher ने गिनती की तो पता चला दो बच्चे तो आए ही नहीं। फिर अचानक लोगों के भागने की आवाज़ आने लगी। हमारी बहादुर Teacher अकेले ही बस से उतर कर चिड़ियाघर की तरफ़ भागने लगी।बस चालक ने जल्दी से दरवाजे को बैंड कर दिया। हम सब एक दूसरे का हाथ पकड़ कर खिड़की से देखने लगीं। तभी हमने देखा की एक चीता Teacher के पीछे आ रहा था। श्रेया और स्नेहा चिल्लाने लगी। हम सब डर गए और ज़ोर से चिल्लाने लगे।तभी चीते ने छल्लांग लगाई। हम सब ने अपनी आंखे बंद कर लीं। जब हमने आँखे खोलीं तो चीता ज़मीन पे पड़ा था। Zookeeper ने उसे पकड़ लिया था। हम सबने अपनी Teacher को बहुत सारी Hugs दीं। फिर बस वापस स्कूल के लीये चल पड़ी।

एक अजीब दोस्ती

by Kashvi Chandwani

Kashvi Chandwani

रोहन शांति से अपने result का इंतेज़ार कर रहा था। उसने exams के लिए बहुत मेहनत करी थी और वो बहुत confident था। टीचर ने test result दिए । जब रोहन ने अपना result देखा, तो उसकी हँसी गुम हो गयी।

“ये क्या?! में science में fail हो गया,” रोहन बोला। रोहन बहुत उदास हो गया।

उसकी दोस्त, परनिटी, ने सुझाया की वो टीचर से मिल्कर extra credit माँगे। रोहन ने बात मानी और टीचर के पास गया। जब वो Teacher के पास जा रहा था, Jai ने बोला, “आपको कुछ नहीं आता है। सारी क्लास पास हो गयी, और आप fail हो गए ।” रोहन और दुखी हो गया और वहाँ से चला गया।

टीचर बोली,“रोहन, तुम essay लिखो , तो में तुम्हारे marks पूरे १०० कर दूँगी”, रोहन वापस ख़ुश हो गया और essay लिखने लगा। दूसरे दिन, जब रोहन पाठशाला पहुँचा, तो उसने देखा बैग में essay नहीं था। रोहन बहुत डर गया।

“मेरा essay!” रोहन चिल्लाया।

जब जय पाठशाला जा रहा था, तो उसने रोहन का essay मिला। Jai ने सोचा, की रोहन का essay फाड़ कर फैंक दे। लेकिन Jai ने एसा नहीं किया। परंतु, उसने essay रोहन को दे दिया और sorry बोला। रोहन पास हो गया और दोनो दोस्त बन गए ।

MHS TA PROFILES

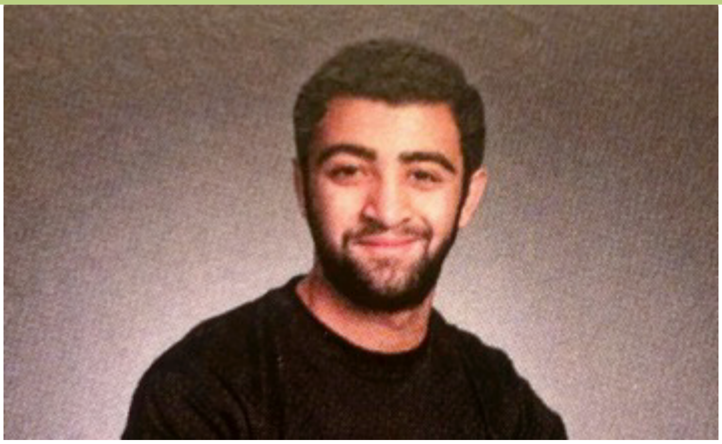

SAMIR PESHORI

जब में ६ साल का था, मैंने हिंदी स्कूल जाना शुरू किया। पहले मुझे मज़ा नहीं आता था हिंदी स्कूल आने में लेकिन मुझे एहसास हुआ की यहाँ आने से में बहुत कुछ सीख रहा था। व्यंजन और स्वर से कहानी लिखना और पड़ना सीख रहा था। मुझे धीरे धीरे बोलना आ रहा था में अपने दादा दादी से हिंदी में बात कर सकता था

हर साल दिवाली और होली के function से मैंने मेरी संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सीखा । मैंने यहाँ पर सबसे बेहतरीन दोस्त बनाएँ हैं । अभी मैं चार साल से MHS में TA हूँ। TA बनने से मैंने बहुत कुछ सीख़ा । जैसे की मीझे ख़ुशी होती है दूसरों की मदद करने से। मुझे गर्व होता है की मैं छोटे बच्चों की मदद कर सकता हूँ क्योंकि इन बच्चों के लिए अपनी मात्रभाषा सीखना महत्वपूर्ण हैं । अगले कुछ वर्षों के लिए मैं कॉलेज में engineering और computer science पढ़ना चाहता हूँ और मेरे परिवार की मदद करना चाहता हूँ क्योंकि मेरे माता पिता ने मेरे लिए बहुत कुछ किया है और यह मेरा फ़र्ज़ है की मैं उनका साथ दूँ। मेरी यादें जुड़ी हुई हैं हिंदी स्कूल और Camp से और मैं इन्हें कभी नहीं भुला पाउँगा । मैं चाहता हूँ की मैं भविष्य में वापस हिंदी स्कूल आऊँ और यहाँ काम करूँ।

मैं अपने Teachers और Agrawalji और Brijji का बहुत आभारी हूँ की उन्होंने मुझे यहाँ TA बनने का अवसर दिया

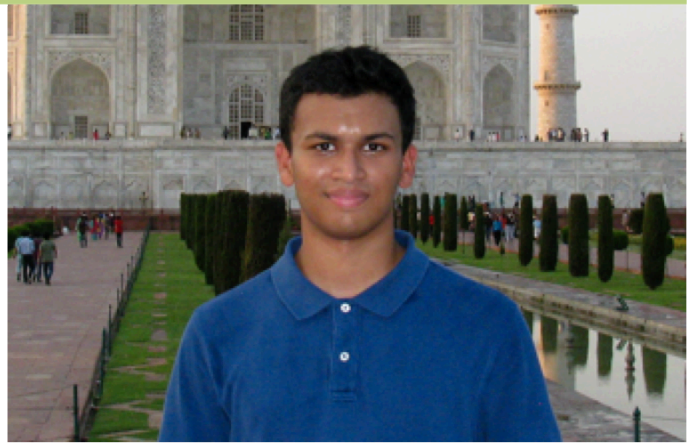

NISHAANT GOSWAMY

मैं निशांत गोस्वामी, मार्लबोरो हिंदी स्कूल से छःवर्षों से जुड़ा हूँ| मैं यहाँ एक विधार्थी के रूप में पहले हिंदी पढ़ना और लिखना सिखा और आज मैं मीडिया की कक्षा में शिक्षण सहायक (Teaching Assistant Volunteer हूँ।

आज मैं अपने अनुभव के द्वारा कह सकता हूँ किं हिंदी भाषा ने मेरी जानकारीयों को बढ़ाने में काफी मदद की है। मैंनें पढ़ने और लिखने के अतिरिक्त भारतीय परंपराओं और तयोहारों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की जो भारतीय संस्कृति के बहुत ही महत्वपूर्ण और रोचक तथ्यों से जुड़ी हैं।

जब मैं भारत अपने दादा, दादी,नाना,नानी के पास गया तो वहाँ मैंने वहाँ के रीति-रिवाज,परंपराओं को समझना, शॉपिंग करना लोंगों से हिंदी में बातचीत करना,मुझे और उन्हें भी बहुत अच्छा लगता था।

मार्लबोरो हिंदी स्कूल ने मुझे मीडिया कक्षा में शिक्षकों और छात्रों के विभन्न लेवल पर काम करने का अवसर प्रदान किया। जहां मैंनें एक हिंदी में अपलीकेशन बनाईं जो कक्षा में शिक्षकों और छात्रों को कक्षा में एक साथ काम करने, होमवर्क और परिक्षा के परिणाम पता करने में सहायता करती है।

परिणामस्वरूप मुझे वर्ष के अंत में Best TA आवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड मेरे लिये बड़ा ही महत्वपूर्ण इसलिये है क्योंकि यह मुझे अपने जीवन में आगे बढ़ने और ऊंचाईयों को छूने की प्रेरणा प्रदान करता है।

अंत में, मैं अपने माननीय मार्लबोरो हिंदी स्कूल Principal अग्रावल जी , ब्रिज जी और सभी शिक्षकों का बड़ा ही अभारी हूँ ,जिन्होंने मुझे हमेशा आगे बढ़ने का पूरा अवसर प्रदान किया हैं।

MHS HINDI SCHOOL – SOME MOMENTS

ADVANCE CLASS IN SESSION

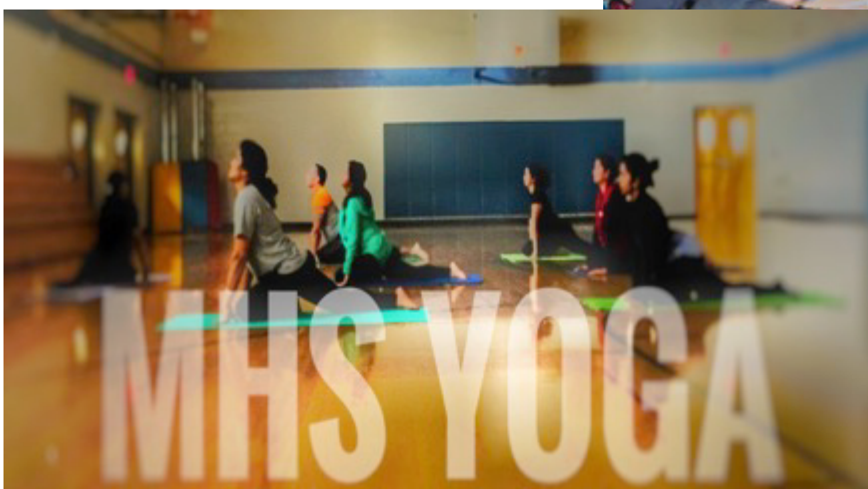

YOGA CLASS FOR MHS PARENTS DURING SCHOOL HOURS ORGANIZED BY MHS PTO

MHS SECURITY TEAM HELPING OUT WITH SECURITY DUTIES

BEGINNERS I CLASS BUSY IN LEARNNING HINDI

MHS SCHOOL CALENDER

UPCOMING MHS EVENTS

DEC 17 - HOLIDAY PARTY FOR STUDENTS

JAN 14-28 - MID TERMS DATES

APRIL 1 - HOLI FUNCTION

JUNE 3 & 10 - FINALS

JUNE 17 – AWARD CEREMONY & PICNIC

WWW.MARLBOROHINDISCHOOL.ORG

FROM THE PRINCIPAL'S DESK:

इस साल Student registration पिछले साल की 150 संख्या को पार कर गया। इस साल हमने सीमित संख्या में शिक्षण सहायकों (TAs) को चयनित किया। हमारे TAs ईमानदारी से काम कर रहे हैं और उनका योगदान बहुत सराहनीय है।

एक पूर्णकालिक शिक्षक होने के नाते, मैं कह सकता हूँ कि एक शैक्षणिक संस्था के प्रदर्शन को सीधे शिक्षकों की योग्यता और उनके समर्पण के लिए आनुपातिक है ।मैं कह सकता हूँ कि हमारे शिक्षण स्टाफ आसानी से दोनों मानदंडों में श्रेष्ठ है ।

हमारे स्कूल में इस साल सबसे महत्वपूर्ण विकास है, PTO की शुरुआत।

DR. BISHAN AGRAWAL

वे स्कूल सुरक्षा पर एक professional level पे काम कर रहे है, कई वर्षों से यह एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण काम था। उन्होंने छात्र के पंजीकरण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में काफी योगदान दिया है।

इस साल हिंदी को एक दूसरी भाषा के रूप में मार्लबोरो मध्य विद्यालयों में प्रारंभ करने का प्रयास है। डॉ वेद चौधरी की पहल, समर्पण और मार्गदर्शन वास्तव में प्रशंसा के योग्य हैं। MBOE में हमने सुनवाई की है। हमारा प्रस्ताव अब गंभीरता से विचार किया जा रहा है। वहाँ अभी भी कई चुनौतियां हैं लेकिन हम एक सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

Answers to Riddles:

1. चंद्रमा (Moon) 2. भुट्टा (Corn) 3. बन्दर 4. 11 (You are also a passenger ☺) 5. मिर्ची (Chilli)

NEWSLETTER EDITORS

RAKESH CHANDWANI & BRIJNANDAN GUPTA